The Economic Times (Hindi)

Delhi - Apr 12, 2019

Page No: 4
Page Name: Share Market
Size: 257 sq. cm
AVE: INR 47,627

Type: Newspaper
Language: Hindi
Circulation: 9,314
Frequency: Daily

News monitored for: Lemon Tree Hotels

Title: Pricing power of hotel companies increased due to demand rise and supply reduction

डिमांड बढ़ने और सप्लाई घटने से होटल कंपनियों की प्राइसिंग पावर बढ़ी

65% ऑक्युपेंसी रेट

- **वित्त वर्ष** 2018 में ऑक्युपेंसी रेट बढ़कर 65% हो गया, जो वित्त वर्ष 2013 में 57% था
- **फाइनेंशियल ईयर** 2013 से 2017 के बीच एवरेज रूम रेट 2-3% बढ़ा है
- **ऑक्युपेंसी लेवल** अगले 4-5 वर्षों में 75% पर जा सकता है क्योंकि रूम सप्लाई में बढ़ोतरी की रफ्तार कम है
- **लग्जरी होटल** चेंस के बीच इंडियन होटल्स और मिड-मार्केट सेगमेंट में लेमन ट्री होटल्स आकर्षक दिख रही हैं

राजेश नायडू | ईटीआईजी

रूम सप्लाई कम होने और बुकिंग बढ़ने के बीच लग्जरी और मिड-मार्केट सेगमेंट के बेहतर होटलों का एवरेज रूम रेट मौजूदा वित्त वर्ष में बढ़ सकता है। पिछले 18 महीनों में होटल सेक्टर डिमांड में धीरे-धीरे रिकवरी होने का गवाह बन रहा है। वित्त वर्ष 2018 में ऑक्युपेंसी रेट-बढ़कर 65 प्रतिशत हो गया, जो वित्त वर्ष 2013 में 57 प्रतिशत था। वहीं वित्त वर्ष 2013 से 2017 के बीच एवरेज रूम रेट 2-3 प्रतिशत बढ़ा है।

होटल कंसल्टेंसी फर्म Horwath HTL के अनुसार, वित्त वर्ष 2017 से 2021 के बीच रूम के लिए डिमांड 12.4 प्रतिशत सालाना बढ़ने की उम्मीद है जबकि इस दौरान सप्लाई बढ़ने की रफ्तार 7.8 प्रतिशत रह सकती है।

ज्यादा कॉरपोरेट इवेंट्स के सहारे डोमेस्टिक ट्रैवल में हो रही बढ़ोतरी, मिडल क्लास के बीच सैर-सपाटे का ट्रेंड बढ़ने और विदेशी पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी से आने वाले सालों में एवरेज रूम रेट में इजाफा हो सकता है।

इस सेक्टर में ऑक्युपेंसी लेवल अगले 4-5 वर्षों में 75 प्रतिशत पर जा सकता है क्योंकि रूम सप्लाई में बढ़ोतरी की रफ्तार कम है। कई विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि मुंबई, सेंट्रल दिल्ली और गोवा जैसे अहम बाजारों में ऑक्युपेंसी रेट 70 प्रतिशत से ऊपर चल रहा है। मिड स्केल बजट सेगमेंट के होटलों की आमदनी अगले चार-पांच वर्षों में 20 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इसी दौरान लग्जरी होटलों की आमदनी के 15 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की संभावना है।

डोमेस्टिक बिजनेस और सैर-सपाटे का ट्रेंड बढ़ने से 4-5 वर्षों में एवरेज रूम रेट्स में बढ़ोतरी की संभावना

लग्जरी होटल चेंस के बीच इंडियन होटल्स मजबूत स्थिति में दिख रही है। वित्त वर्ष 2015 में इसका नेट डेट टु इक्विटी रेशियो 2 था, जो वित्त वर्ष 2018 में घटकर 0.5 पर आ गया है। इस तरह इसने कर्ज में काफी कमी की है। साथ ही, इसका कारोबार लगभग हर सेगमेंट में है। वहीं मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट्स पर इसका फोकस बढ़ रहा है। इसकी टोटल कैपेसिटी में 25 प्रतिशत हिस्सा इसी सेगमेंट का है। इन सभी बातों के कारण इंडियन होटल्स का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

मिड-मार्केट सेगमेंट में लेमन ट्री होटल्स आकर्षक दिख रही है। इसके होटल 32 शहरों में हैं, जिनमें 5342 से ज्यादा कमरे हैं। मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट के तहत इसकी टोटल कैपेसिटी का 33 प्रतिशत हिस्सा है। साथ ही, इसने प्राइसिंग भी कॉम्पिटीटिव बनाए रखी है।

ब्लूमबर्ग के डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 2020 में अनुमानित मुनाफे के आधार पर इंडियन होटल्स की एंटरप्राइज वैल्यू इसके एबिट्डा के 21.1 गुने पर है, जो इसके तीन साल के औसत 26.8 को देखते हुए काफी आकर्षक है। वहीं लेमन ट्री होटल्स के लिए ईवी/एबिट्डा 27.1 पर है, जबकि इसका दो साल का एवरेज 55 का है।

© The Economic Times (Hindi)